म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद का त्रैमासिक न्यूज लेटर

जैव प्रौद्योगिकी

छोटी सी चींटी बड़ा सा हाथी
डी.एन.ए. की श्रंखला
सबका साथी।

अंक 04 जनवरी 2011

संपादकीय

जैव प्रौद्योगिकी का क्षेत्र जितना वृहद है उतना सूक्ष्म भी है। भारत की ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल कंपनी द्वारा प्रथम डोमेस्टिक पैटेंट प्राप्त किया गया है। इस कंपनी द्वारा अस्थमा बीमारी के लिए एक अतिसूक्ष्म अणु Oglemilast की खोज पर पैटेंट प्राप्त किया है। देश में जैव प्रौद्योगिकी की ओर बढ़ते रुझान को देखते हुए आगे आने वाले समय में डोमेस्टिक पैटेंट की संख्या में अभिवृद्धि होगी।

जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग से हम दवाओं के सूक्ष्म अणु सीधे उन कोशिकाओं तक पहुँचा सकते हैं जिन्हें ठीक किये जाने की जरूरत है। अति सूक्ष्म अणु के उपयोग की विधि को नैनो टेक्नालॉजी कहते हैं। सामान्य तौर पर दवाएँ बीमारी से ग्रस्त कोशिकाओं के साथ-साथ शरीर के उन कोशिकाओं पर भी प्रभाव डालती हैं जो स्वस्थ हैं। इसलिए मरीज ठीक होने में ज्यादा समय लेता है और दवाओं के साईड इफेक्ट्स होते हैं। अगर कैंसर के इलाज में नैनो टेक्नालॉजी का उपयोग किया जाता है तो रोगग्रसित कोशिकाओं को बढ़ने से रोका जा सकता है। नैनो टेक्नालॉजी का उपयोग कृषि, चिकित्सा, पर्यावरण सभी क्षेत्रों में अनुसंधान तीव्र गति से किये जा रहे हैं अत: हम कह सकते हैं कि इस विशाल जगत का कोई भी हिस्सा नैनो टेक्नालॉजी जैसी सूक्ष्म तकनीकी से आने वाले समय में अछूता नहीं रह पाएगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल

संदेश

प्रसन्नता का विषय है कि मध्यप्रदेश जैव प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल द्वारा परिषद के त्रैमासिक न्यूज लेटर का प्रकाशन किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में जैव प्रौद्योगिकी परिषद का महत्वपूर्ण योगदान है। जैव प्रौद्योगिकी संबंधी शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग स्थापित करने के साथ-साथ बायोटेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना करने के लिए परिषद द्वारा किये जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।

आशा है जैव प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा किये जा रहे कार्यों से मानव समाज की जटिल समस्याओं का निराकरण संभव होगा।

त्रैमासिक के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ।

श्री शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, म.प्र. शासन एवं
अध्यक्ष, म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद

इंदौर में बायोटेक पार्क की स्थापना –

प्रदेश में जैव प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिये म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा इंदौर में जैव प्रौद्योगिकी पार्क बनाया जा रहा है, जहां जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए उद्योग स्थापित होंगे। पार्क के लिए ग्राम चीराखान तहसील देपालपुर जिला इंदौर में भूमि प्राप्त हो गई है। पार्क बनाने का कार्य जन-निजी भागीदारी के सहयोग से शीघ्र आरंभ किया जाएगा। परिषद को इस कार्य में सहयोग देने के लिये मेसर्स डेलाइट टच तोहमात्सु इंडिया प्रा.लि., मुम्बई (M/s Deloitte Touche Tohmatsu India Pvt. Ltd., Mumbai) ट्रांजेक्शनल सलाहकार रहेंगे। इनके द्वारा बायोटेक पार्क की फिजिबिलिटी का अध्ययन करके एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है जिसमें पार्क को विकसित करने की रूपरेखा तैयार की गई। भूमि का सीमांकन किया जा रहा है तथा पार्क तक बिजली, पानी एवं सड़क तैयार करने की प्रक्रिया भी प्रगति पर है।

संरक्षक
श्री सेवाराम आई.ए.एस.
प्रमुख सचिव
म.प्र. शासन
जैव विविधता एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग

संपादक
श्री शैबाल दासगुप्ता आई.एफ.एस.
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
मध्यप्रदेश जैव प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल

सह संपादक
डॉ. (श्रीमती) मोनी माथुर
सलाहकार

संपादक मंडल
श्री जैनेन्द्र कुमार जैन
डॉ. ए. बैनर्जी
कु. नेहा दुबे